सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-201
26/04/2017

मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में बिहार राज्य वन्यप्राणी पर्षद की 7वीं बैठक संपन्न

पटना, 26 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार राज्य वन्य प्राणी पर्षद की 7वीं बैठक मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में आयोजित की गई। बैठक में राज्य में वन्यप्राणी प्रक्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य एवं क्रियाकलापों की समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया।

बैठक में वाल्मिकी टाइगर रिजर्व में की जा रही अधिवास प्रबधंन, बाघों की बढ़ रही संख्या, इको टूरिज्म, स्वायल कनजर्वेशन, वाइल्ड लाइफ मॉनिटरिंग, फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट सहित गंडक में घड़ियाल संरक्षण, पक्षी आश्रयणी, नेशनल डॉल्फिन रिसर्च सेंटर की स्थापना के साथ–साथ अन्य बिंदुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि गंडक नदी में घड़ियाल संरक्षण का फेज–2 कार्यक्रम की शुरूआत की जा चुकी है। बैठक में बरैला झील पक्षी आश्रयणी, भीम बांध आश्रयणी पर विस्तृत चर्चा की गई। नीलगाय एवं जंगली सुअर के विभिन्न जिलों में असंतुलित आबादी से समस्या का प्रबंधन करने पर चर्चा की गयी। भागलपुर के गंगा एवं कोसी नदी के दियारा क्षेत्र में संकटग्रस्त गरूड़ पक्षी प्रजाति का बचाव कार्य किया जा रहा है। गंगा नदी में इनलैंड वाटरवेज प्रोजेक्ट के प्रस्तावित क्रियान्वयन से डॉल्फिन एवं जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल आघात के संबंध में चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि आश्रयणियों में स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जाये।

वन्य प्राणी पर्षद की 7वीं बैठक में कैमूर वन्य प्राणी आश्रयणी–रोहतासगढ़ में रोपवे निर्माण को सशर्त स्वीकृति दी गई, साथ ही कुशेश्वर–स्थान पक्षी आश्रयणी, बरैला झील पक्षी आश्रयणी, कॉवर झील पक्षी आश्रयणी के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया कि पॉच सदस्यीय समिति बनाकर उक्त सभी आश्रयणियों का क्षेत्र भ्रमण किया जाय तथा सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत की जाय। गौतम बुद्ध आश्रयणी गया में एन0एच0– 2 का उन्नयन कार्य शर्तों के साथ अनुमति हेतु अनुशंसा की गयी।

बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री तेज प्रताप यादव, विधान पार्षद श्री नीरज कुमार, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, प्रधान सचिव वन एवं पर्यावरण श्री विवेक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित वन्यप्राणी पर्षद के सभी गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

******